Previous Year Paper

UTTRAKHAND JUDICIAL MAINS EXAM 2016

2016
विधि - I (मुख्य विधि)
LAW - I (Substantive Law)

निर्धारित समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 200**
Time allowed : Three Hours) **[Maximum Marks : 200**

1. **(अ) एक अवयस्क के संविदात्मक क्षमता के सम्बन्ध में मोहरी बीबी बनाम धरमोदास घोष में स्थापित विधि के सिद्धान्त को मथाई मथाई बनाम मैरी जोसेफ AIR 2014 SC 2277 के अद्यतन वाद में आंशिक रूप से उपांतरित कर दिया गया है । क्या आप इससे सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए।** 15

(ब) **प्रभार को परिभाषित कीजिए । प्रभार के आवश्यक तत्त्व को स्पष्ट कीजिए । एक प्रभार एवं बन्धक में अन्तर स्पष्ट कीजिए।** 15

(स) **संयुक्त उपेक्षा को परिभाषित कीजिए । संयुक्त उपेक्षा एवं अंशदायी उपेक्षा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।** 10

(a) The principle of law as to contractual competency of a minor established in Mohari Bibee Vs. Dharmodas Ghose has been partially modified in a recent case Mathai Mathai Vs. Mary Joseph AIR 2014 SC 2277. Do you agree with this ? Explain.

(b) Define charge. Explain the essential ingredients of a charge. Point out difference between a charge and a mortgage.

(c) Define composite negligence. Distinguish it with contributory negligence.

2. **(अ) उप-भागिता से आप क्या समझते हैं ? यह कैसे और कब उत्पन्न होती है ? एक उपभागीदार के अधिकार को स्पष्ट कीजिए।** 15

(ब) **"एक उपनिधान संविदा से उत्पन्न होता है । यह संविदा से स्वतंत्र उत्पन्न नहीं होता है।" इस कथन को न्यायिक निर्णयों के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए।** 15

(स) **संचयन के विरुद्ध नियम क्या है ? इसके नियम के अपवादों को समझाइए।** 10

(a) What is sub-partnership ? How and when it arises ? Explain the rights of a sub-partner.

(b) "A bailment arises by contract. It cannot arise independent of contract."' Explain this statement with reference to judicial decisions.

(c) What is rule against accumulation ? State exceptions of this rule.

3. (अ) "भागिता विधि, अभिकरण विधि का विस्तार है।"
इस कथन को कानूनी उपबंधों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 10

(ब) हिन्दू विधि के अधीन विवाह की प्रकृति को समझाइए । हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 ने इसको कहाँ तक प्रभावित किया है ? 10

(स) मुस्लिम विधि के अन्तर्गत पति के दाम्पत्य अधिकार का प्रत्यास्थापन आत्यान्तिक अधिकार नहीं है। स्पष्ट कीजिए। 10

(a) "Law of partnership is an extension of law of agency." Referring to statutory provisions, explain it.

(b) Explain the nature of Marriage under Hindu law. How far it has been affected by the Hindu Marriage Act, 1955 ?

(c) Restitution of conjugal rights of husband is not an absolute right under Muslim Law. Discuss.

4. (अ) आवश्यकता के सुखाचार से आप क्या समझते हैं ? आवश्यकता के सुखाचार एवं सुखाचार के सदृश सुखाचार (कल्प सुखाचार) में अन्तर कीजिए। **10**

(ब) 'प्रपीड़न' एवं 'असम्यक् असर' में अन्तर कीजिए। **10**

(स) 'सम्पत्ति अन्तरण' को परिभाषित कीजिए । कौन सी सम्पत्ति का अन्तरण किया जा सकता है ? क्या मध्यवर्ती लाभ को वसूलने के अधिकार का अन्तरण किया जा सकेगा ? स्पष्ट कीजिए। **10**

(a) What do you mean by easement of necessity ? Point out difference between easement of necessity and quasi-easement.

(b) Distinguish between 'Coercion' and 'Undue influence'.

(c) Define 'transfer of property'. Which property can be transferred ? Can the right of recovery of mesne profit be transferred ? Explain.

5. (अ) एक गायिका 'क' एक नाट्य गृह के प्रबन्धक 'ख' से अगले दो मास के दौरान में प्रति सप्ताह में दो रात उसके नाट्य गृह में गाने की संविदा करती है और 'ख' उसे हर रात के गाने के लिए 100 रुपए देने का वचनबद्ध करता है । छठी रात को 'क' नाट्य गृह से जानबूझकर अनुपस्थित रहती है। क्या 'ख' संविदा का अन्त कर सकता है ? सांविधिक उपबन्धों का उल्लेख करते हुए निर्णय कीजिए। 10

(ब) मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 तलाकशुदा मुस्लिम महिला के अधिकारों का संरक्षण करता है । क्या यह अधिनियम एक मुस्लिम महिला को दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अधीन भरण-पोषण पाने के अधिकार से प्रतिबन्धित करता है ? निर्णीत वादों का हवाला देते हुए स्पष्ट कीजिए। 10

(स) **संयुक्त दुष्कृति-कर्ता से सम्बन्धित विधि को समझाइए । क्या एक संयुक्त दुष्कृति-कर्ता अन्य संयुक्त दुष्कृति-कर्ताओं/कर्ता से अंशदान प्राप्त कर सकता है ? निर्णीत वादों का सन्दर्भ देते हुए स्पष्ट कीजिए एवं इस विषय पर भारतीय विधि एवं आंग्ल विधि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।** 10

(a) 'A', a singer enters into a contract with 'B' the manager of a theatre, to sing at his theatre, two nights in every week during the next two months, and 'B' engages to pay her 100 rupees for each night's performance. On the sixth night 'A' willfully absents herself from the theatre. Can 'B' put an end to the contract ? Decide giving statutory provisions.

(b) Muslim Women (Protection of Rights on Divorce) Act, 1986 protects the rights of Muslim Women who have been divorced. Does this Act debars a Muslim Women to seek maintenance under Section 125 of the Cr. P. C ? Explain referring to decided cases.

(c) Explain the law relating to the Joint tort-feasors. Whether a joint tort-feasor can claim contribution from other joint tort-feasors ? Refer to decided cases and distinguish between English law and Indian Law on this point.

6. **(अ) डोनोघ बनाम स्टीवेन्शन के मामले में स्थापित विधि सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए एवं वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रयोज्यता को समझाइए ।** 10

(ब) **क्या एक अजन्मे व्यक्ति के पक्ष में अन्तरण किया जा सकता है ? सांविधिक उपबंधों एवं निर्णीत । वादों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए।** 10

(स) **सहदायिकी को परिभाषित कीजिए । इसके प्रमुख संघटकों का उल्लेख कीजिए।** 10

(a) Discuss the principle of law laid down in Donoghue Vs. Stevension and state the applicability of this principle in present scenario.

(b) Can a transfer be made in favour of an unborn person ? Explain referring to statutory provisions and decided cases.

(c) Define Coparcenary'. Discuss its notable ingredients.

7. **(अ) "भागीदारी का सम्बन्ध प्रास्थिति से उत्पन्न नहीं होता है ।" इस कथन की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए । निर्णीत वादों का सन्दर्भ दीजिए।** 10

(ब) **एक व्यक्ति जिसे उसकी अचल सम्पत्ति के कब्जे से वंचित कर दिया गया है, उस संपत्ति पर वाद द्वारा किस प्रकार पुनः कब्जा प्राप्त कर सकता है ? स्पष्ट कीजिए।** 10

(स) **"एक दत्तक अपत्य किसी व्यक्ति को उस सम्पदा से निर्हित नहीं करेगा जो उस व्यक्ति में दत्तक के पूर्व निहित हो गई हो ।" इस "सम्बन्ध को पूर्व से स्थापित होने (रिलेशन बैक थ्योरी) के सिद्धान्त" के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए । निर्णीत वादों का हवाला दीजिए।** 10

(a) "Relation of partnership does not arise by status." Explain it with examples. Refer to decided cases.

(b) How a person who has been deprived of possession of his immovable property, can recover his possession by suit ? Explain.

(c) "The adopted child shall not divest any person of any estate which vested in him before the adoption."
Explain it in relation to "relation back theory". Refer to decided cases

8. (अ) खुला को स्पष्ट कीजिए । यह मुबारत (Mubara'at) से कैसे भिन्न होता है ? 10

(ब) उन व्यक्तियों का वर्णन कीजिए जो संविदा के विनिर्दिष्ट अनुपालन के लिए हकदार होते हैं। 10

(स) सुखाधिकार एवं अनुज्ञप्ति में अन्तर कीजिए। 10

(a) Explain 'Khula'. How does it differ from Mubara'at ?

(b) Describe the persons who are entitled for specific performance of contract.

(c) Distinguish between easement and licence.

9. (अ) एक लाउन्ड्री रसीद में इस शर्त का उल्लेख था कि सामान के खोने पर ग्राहक सामान के मूल्य या उसके बाजार के कीमत का केवल 15% दावा का हकदार होगा । वादी की नयी साड़ी खो गयी। लाउन्ड्री मालिक की आबद्धता को निर्णीत कीजिए। 10

(ब) "तत्सदृश (Cy-press) का सिद्धान्त एक अविधिमान्य वक्फ को विधिमान्य नहीं बना सकता है परन्तु एक वक्फ को अनिश्चितता के कारण शून्य होने से बचाता है।" इस कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 10

(स) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 10
(i) जहाँ अधिकार है, वहाँ उपचार भी है ।
(ii) कार्रवाई का व्यक्तिगत अधिकार व्यक्ति की मृत्यु के साथ समाप्त हो जाता है।

(a) A laundry receipt contained a condition that the customer would be entitled to claim only 15% of the market price or value of the article in case of loss. The plantiff's new sari was lost. Decide the liability of the laundry owner.

(b) "The doctrine of Cy-press cannot validate an invalid Wakf but it saves Wakf becoming void for uncertainty." Explain this statement with example.

(c) Explain the followings :
(i) Ubi jus ibi remedium
(ii) Actio personalis non aritur actio.

10. **(अ) आन्वयिक न्यास से आप क्या समझते हैं ? यह किन परिस्थितियों में सृजित होता है ? कानूनी उपबन्धों को देते हुए स्पष्ट कीजिए।** 10

(ब) **हिन्दू अप्राप्तवय के शरीर एवं सम्पत्ति के नैसर्गिक संरक्षक का उल्लेख कीजिए । वसीयती संरक्षक की नियुक्ति कौन करता है ?** 10

(स) **निर्वसीयत मरने वाले हिन्दू पुरुष की सम्पत्ति के न्यागमन के उपबन्धों को स्पष्ट कीजिए।** 10

(a) What do you understand by constructive trust ? Under what circumstances such trust is created ? Explain by referring to statutory provisions.

(b) Point out the natural guardian of Hindu minor in respect of his life and property. Who appoints testamentary guardians.

(c) Explain the provisions as to devolution of property of a male Hindu dying intestate.

2016
विधि - II
(प्रक्रिया एवं साक्ष्य)
LAW – II (Evidence and Procedure)

निर्धारित समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 200**
Time allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 200**

1. **महाचन्द की पत्नी दयावती गतिमान सर्कस की मालिक थी । सूर्यवीर, गतिमान सर्कस के प्रबन्धक के रूप में विभिन्न स्थानों पर सर्कस के संचालन व प्रबन्धन का कार्य देखता था। दिनांक 15-01-2014 को हरिद्वार में दर्शकों के लिए गतिमान सर्कस लगाया गया । अभयकान्त हरिद्वार में पंसारी की दुकान चलाता था । साथ ही वह लोगों को पंजीकृत रूप से उधार पर धन देने का व्यवसाय भी करता था । सर्कस के चलने की अवधि में सूर्यवीर, नित्य प्रतिदिन की आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति हेतु अभयकान्त की दुकान से आवश्यक खरीददारी किया करता था। उसी अवधि में सूर्यवीर ने अभयकान्त से एक वचन-पत्र पर रु. दस हजार की धनराशि उधार ली तथा सर्कस के कुछ उपकरण गिरवी के रूप में अभयकान्त के कब्जे में रख दिए । दिनांक 19-03-2014 को प्रबन्धन ने गतिमान सर्कस को ऋषिकेश स्थानान्तरित करने की योजना बनायी । सूर्यवीर ने अभयकान्त से सम्पर्क कर यह अनुरोध किया कि वह गिरवी के रूप में रखे सर्कस के उपकरण उसे वापस कर दे तथा सूर्यवीर ने अभयकान्त को यह वचन भी दिया कि वह ऋषिकेश से उसे उधार की धनराशि (ब्याज सहित) का भुगतान भेज देगा । अभयकान्त इस बात से सहमत नहीं हुआ । उसने कहा कि जब तक उसे भुगतान मिल नहीं जाता वह सर्कस के उपकरण वापस नहीं करेगा । उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत महाचन्द ने, जो देहरादून में एक विक्रय व्यवसायी था, अभयकान्त को एक पत्र लिखा कि वह समस्त धनराशि के भुगतान की जमानती लेता है । फिर भी अभयकांत ने सर्कस के उपकरण वापस नहीं किए । ऋषिकेश से किश्तों में भुगतान किए जाने के पश्चात दिनांक 25-05-2014 को अभयकान्त को सम्पूर्ण धनराशि का भुगतान कर दिया गया । तत्पश्चात दिनांक 27-05-2014 को महाचन्द ने अभयकान्त को सम्पर्क करके उससे कहा कि चूँकि उसने समस्त देय धनराशि का भुगतान कर दिया है अत: वह लेखा का निर्धारण कर दे तथा सर्कस के उपकरण वापस कर दे। लेकिन अभयकान्त ने उपकरण वापस नहीं किए एवम् अतिरिक्त धनराशि की माँग करने लगा । जिसके, कारण दोनों पक्षों के मध्य सम्बन्ध तनावपूर्ण रहने लगे। महाचन्द को प्रपीड़ित करने के उद्देश्य से अभयकान्त ने 17-06-2014 को मजिस्ट्रेट न्यायालय हरिद्वार में महाचन्द के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 के अन्तर्गत धोखाधड़ी के प्रकरण का परिवाद दायर कर दिया । उक्त परिवाद के फलस्वरूप महाचन्द को दिनांक 28-06-2014 को गिरफ्तार कर लिया गया तथा दिनांक 16-07-2014 को उसे जमानत पर छोड़ दिया गया । उक्त आपराधिक प्रकरण की सुनवाई दो वर्ष से अधिक अवधि तक चली । अन्ततः दिनांक 08-02-2017 को न्यायालय द्वारा महाचन्द को दोषमुक्त कर**

दिया गया। उपरोक्त प्रकरण के दृष्टिगत विद्वेषपूर्ण अभियोजन हेतु क्षतिपूर्ति प्राप्त करने के लिए एक वादपत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। उपर्युक्त वादपत्र के उत्तर में प्रतिवादी की ओर से लिखित कथन का प्रारूप भी लिखिए।

अथवा

दिनांक 20-01-2015 को एक करार के आधार पर वादी रामानन्द को मेसर्स एवन कम्प्यूटर्स प्रा.लि. नैनीताल में प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया गया । सेवा शर्ते तथा वेतन भुगतान करार में वर्णित शर्तों के अधीन थी । रामानन्द की उक्त नियुक्ति रु. पचीस हजार प्रति माह वेतन पर नियुक्ति की तिथि से पाँच वर्ष की अवधि के लिए की गयी । वादी का आरोप है कि प्रतिवादी कम्पनी ने दिनांक 15-03-2017 को बिना किसी पर्याप्त कारण के उसे प्रबन्धक के पद से बर्खास्त कर दिया । वादी का कथन है कि वह करार की सेवा शर्तों का अनुपालन करता हुआ अपने पद के दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक कर रहा था । प्रतिवादी कम्पनी भी वादी के कार्य सम्पादन से सन्तुष्ट थी क्योंकि वादी के अनुसार उसके कर्त्तव्यों के विरुद्ध कम्पनी द्वारा कभी कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गयी । अचानक 15-03-2017 को रामानन्द को प्रतिवादी कम्पनी द्वारा सेवा से बर्खास्त कर दिया गया । वादी ने प्रतिवादी के समक्ष उसको सेवा से विधि विरुद्ध बर्खास्तगी के लिए दिनांक 24-03-2017 को एक प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया । वादी का यह भी कथन है कि उसे सेवा से बर्खास्त करते समय प्रतिवादी कम्पनी द्वारा उसे माह जनवरी तथा फरवरी, 2017 की अवधि के वेतन का भुगतान भी नहीं किया गया। विधि विरुद्ध बर्खास्तगी के फलस्वरूप वादी को मानसिक तथा आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ रहा है । प्रतिवादी के अनुसार कम्पनी ने वादी रामानन्द को करार की शर्तों के आधार पर नियुक्ति देने से इन्कार नहीं किया। प्रतिवादी का कथन है कि वादी रामानन्द सेवा के दौरान अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह रहा । वह आदतन कम्पनी के दिशा-निर्देशों के अनुपालन की अवज्ञा करता था जिससे कम्पनी का कार्य प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता था । प्रतिवादी का कहना है कि वादी रामानन्द दिनांक 26-12-2016 से दिनांक 31-12-2016 तक बिना किसी अवकाश अथवा सूचना के अपने कार्य से अनुपस्थित रहा । प्रतिवादी द्वारा अनुपस्थिति का कारण पूछे जाने पर वादी ने कोई सन्तोषप्रद उत्तर नहीं दिया । दिनांक 17-02-2017 को कम्पनी ने यह पाया कि वादी ने कम्पनी कार्यों के लिए आबंटित धन में से रु. पैंतीस हजार की धनराशि का दुर्विनियोजन कर लिया तथा उक्त धन की कूटरचित प्रविष्टियाँ अभिलेखों में दर्ज कर दीं । वादी का उक्त कृत्य एक गम्भीर कदाचरण की श्रेणी में आता है। चूँकि वादी, कम्पनी के हितों के प्रतिकूल कार्य कर रहा था अत: उसे दिनांक 15-03-2017 को कम्पनी की सेवा से बर्खास्त कर 15-03-2017 द्वारा नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के सर्वथा उल्लंघन में जारी किया गया है अत: न्यायालय द्वारा निरस्त किए जाने योग्य है । वादी ने प्रतिवादी से विशिष्ट एवम् सामान्य क्षतिपूर्ति के रूप में रु. दो लाख की धनराशि भी प्राप्त करने का दावा किया है। उपरोक्त तथ्यों के आधार पर प्रकरण बनाकर विवाद्यक बिन्दु बनाइए तथा विधिक उपबन्धों और निर्णयज विधि की सहायता से निर्णय लिखिए।

Mahachand's wife Dayawati was the owner of Gatimaan circus. Suryaveer used to lookafter the display and management of the circus at different places as its manager. On 15-01-2014 Gatimaan circus was brought to Haridwar for public display. Abhaykant was running a grocery shop at Haridwar. Simultaneously as a registered moneylender he also gave money on loan to the people. During the period of running of the circus Suryaveer used to purchase day-to-day necessaries from the shop of Abhaykant. During the same period on a promissory note Suryaveer took a loan amount of ten thousand from Abhaykant and put some equipments of circus as a pledge in possession of Abhaykant. On 19-03-2014 the circus management planned to shift the circus to Rishikesh. Suryaveer contacted Abhaykant and requested him to release the circus equipments from pledge and give them back to him. Suryaveer also promised to Abhaykant that from Rishikesh he will send the payment of loan amount with interest. Abhaykant did not agree to it. He said that he will not return the circus equipments until he receives the payment of loan amount. Looking to the circumstances Mahachand, who was a sales business man at Dehradun wrote a letter to Abhaykant that he gives his surety to make the payment of entire amount. But still Abhaykant did not return the circus equipments. After making payment in instalments from Rishikesh finally on 25-05 2014 payment of entire money was made to Abhaykant. Thereafter, on 27-05-2014

Mahachand contacted Abhaykant and told him that since he has paid the entire due amount so he should settle the accounts and return the circus equipments to him. But Abhaykant did not return the circus equipments and started claiming more money. Due to this both the parties developed strained relations. With a view to harass Mahachand, Abhaykant on 17-06-2014 filed a complaint before Magistrate Court at Haridwar against Mahachand for cheating under Section 420 of Indian Penal Code. Due to that complaint Mahachand was arrested on 28-06-2014 and was released on bail on 16-07-2014. The hearing of the criminal case was held for a period of more than two years. Ultimately on 08-02-2017 the court acquitted Mahachand from the charges. Looking to the matter as above mentioned prepare a draft of plaint for claiming compensation for malicious prosecution. In reply to the above plaint also prepare a draft of the written statement for the defendant.

OR

On 20-01-2015 on the basis of an agreement plaintiff Ramanand was appointed on the post of manager in M/s. Avon Computers Pvt. Ltd. at Nainital. Conditions of service and payment of salary were subject to the terms and conditions in the agreement. Aforesaid appointment of Ramanand was on salary of twenty-five thousand per month for a term of five years from the date of appointment. Plaintiff has alleged that the defendant company dismissed him from the post of manager on 15-03-2017 without any sufficient reasons. Plaintiff states that he sincerely performed his duties by following the conditions of service in the agreement. Defendant company was also satisfied with his work performance because according to plaintiff the company never gave any adverse comments against his duties. All of a sudden on 15-03-2017 company dismissed Ramanand from the service. Plaintiff submitted his representation on 24-03-2017 before the defendant against his wrongful dismissal from service.

Plaintiff also states that while dismissing him from service the defendant company has not paid him salary for the month of January and February 2017. Due to wrongful dismissal the plaintiff has to suffer mental and financial damage. According to the defendant the company has not denied giving appointment to plaintiff Ramanand as per the conditions of the agreement. Defendant states that during the service plaintiff Ramanand was careless towards his duties. He was in the habit of disobeying the instructions of company due to which company's work was adversely affected. Defendant states that from 26-12-2016 to 31-12-2016 plaintiff Ramanand without any leave or notice remained absent from duty. On being asked the reasons for absence by the defendant, plaintiff did not give any satisfactory reply. On 17-02-2017 company found that from the funds allocated for company's work plaintiff misappropriated an amount of Thirty Five Thousand and for that money he made forged entries into the records. This act of plaintiff amounts to be a gross misconduct. Since plaintiff was working against the interests of company, therefore, he was dismissed from the service of company on 15-03-2017. Plaintiff Ramanand states that his dismissal order dated
15-03-2017 has been issued by the defendant in complete violation of the principles of natural justice, so it is liable to be cancelled by the court. In the form of specific and ordinary damages plaintiff has claimed a compensation of two lakhs from the defendant.

On the basis of above facts prepare a case, frame the issues and decide the case by supporting legal provisions and case laws.

खण्ड - अ

Group - A

2. (अ) किसी विधि द्वारा विहित धन-सम्बन्धी या अन्य परिसीमाओं के अधीन रहते हुए, वे वाद जो स्थावर सम्पत्ति के विभाजन के लिए हैं, उस न्यायालय में संस्थित किए जाएंगे, जिसकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर वह सम्पत्ति स्थित है । विस्तारित कीजिए। 10

(ब) जहाँ कोई वाद दो या अधिक न्यायालयों में से किसी एक में संस्थित किया जा सकता है, वाद के किसी एक न्यायालय में संस्थित हो जाने के पश्चात अन्य न्यायालय में वाद को अन्तरित किए जाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 10

(स) वाद के संस्थित हो जाने के उपरान्त प्रतिवादी व साक्षियों को समन किए जाने की विहित प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । दस्तावेजों व अन्य भौतिक पदार्थों के प्रकटीकरण की विधि क्या है ? उक्त के व्यतिक्रम के लिए शास्ति का वर्णन कीजिए। 20

(a) Subject to the pecuniary or other limitations prescribed by any law, the suits which are for the partition of immovable property shall be instituted in the court within the local limits of whose jurisdiction the property is situate. Elaborate.

(b) When a suit can be instituted before any one of the two or afterwards the suit is instituted in any court, then describe the procedure for transferring the suit to the other court.

(c) After institution of the suit, discuss the prescribed procedure for summoning the defendant and witnesses. What is the law for discovery of documents and other physical objects ? Describe the penalty for default as above.

3. (अ) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन वर्णित अनुपूरक कार्यवाहियों का वर्णन कीजिये । इस कार्यवाही के गुणदोष भी बताइये। 20

(ब) लिखित कथन तैयार किए जाते समय मुजरा की विशिष्टियाँ दी जाएँगी । मुजरा के प्रभाव की स्थिति स्पष्ट कीजिए। 10

(स) 'ख' पर विनिमय-पत्र के आधार पर 'क' वाद लाता है । 'ख' अभिकथन करता है कि 'क' ने 'ख' के माल का बीमा कराने में सदोष उपेक्षा की है और 'क' उसे प्रतिकर देने के लिए दायी है, जिसकी मुजराई का दावा 'ख' करता है । निर्णय दीजिए। 10

www.linkinglaws.com

(a) Explain the supplemental proceedings as has been mentioned under Code of Civil Procedure, 1908. Mention it's merits and demerits too.

(b) Particulars of set-off should be given while preparing written statement. Explain the effect of set-off.

(c) 'A' sues 'B' on a bill of exchange. 'B' alleges that 'A' has wrongfully neglected to insure 'B's goods and is liable to pay compensation to him, which he claims to set-off. Decide.

4. (अ) सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत उपबन्धित विवाद्यकों की विरचना सम्बन्धी प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 20

(ब) प्रापक की नियुक्ति से सम्बन्धित विधि का वर्णन कीजिये । उसके अधिकार व कर्तव्यों का उल्लेख कीजिए। 20

(a) Discuss in detail the procedure relating to framing of issues as provided under Civil Procedure Code.

(b) Explain the law relating to appointment of receivers. Mention the rights and duties of the receiver.

5. (अ) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन उपबन्धित न्यायालय की पुनरीक्षण की शक्ति की प्रक्रिया, विस्तार व सीमाओं का वर्णन कीजिये । पुनर्विलोकन व पुनरीक्षण में अन्तर भी कीजिये। 20

(ब) सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत अपीलीय न्यायालय की शक्तियों का वर्णन कीजिए। 10

(स) सर्वोच्च न्यायालय की मामलों को अन्तरण की शक्ति का वर्णन कीजिए। 10

(a) Explain the procedure, extent and limitations of the power of revision of the court which has been provided under Code of Civil Procedure, 1908. Differentiate between the review and revision too.

(b) Discuss the powers of Appellate Court as given under Civil Procedure Code.

(c) Discuss the power of Supreme Court to transfer suits etc.

खण्ड-ब
Group - B

6. (अ) सह-अभियुक्त कौन है ? सह-अभियुक्त द्वारा दिए गए साक्ष्य की सुसंगतता तथा ग्राह्यता सम्बन्धी साक्ष्य विधि का वर्णन कीजिए। 10

(ब) सत्र न्यायालय के समक्ष 'अ' के विरुद्ध 'ब' के समक्ष जो कि एक मजिस्ट्रेट है, मिथ्या साक्ष्य देने का अभियोग चलाया गया । क्या 'ब' से पूछा जा सकता है कि 'अ' ने उससे क्या कहा था ? विचार कीजिए। 10

(स) क्या एक पुलिस अधिकारी को यह बताने के लिए विवश किया जा सकता है कि किसी अपराध के घटित होने की सूचना उसे कैसे प्राप्त हुई ? विचार कीजिए व निर्णीत कीजिये। 10

(द) एक मामले में न्यायालय के समक्ष किसी तथ्य को सिद्ध करने के लिए कम से कम कितने साक्षियों की। आवश्यकता होनी चाहिए ? विधि का वर्णन कीजिए। 10

(a) Who is an accomplice ? Discuss the relevancy and admissibility of the evidence given by an accomplice as provided under law of evidence.

(b) 'A' is accused before the Court of Session of having given false evidence before 'B', a Magistrate. Can 'B' be asked as to what 'A' said to him ? Consider.

(c) Can a police officer be compelled to say whence he got the information as to commission of an offence ? Consider and decide.

(d) At least how many witnesses would be required to proof a fact in any case before the court ? Discuss the law.

7. (अ) विबन्ध से आप क्या समझते हैं ? विबन्ध सम्बन्धी साक्ष्य विधि का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए तथा इसके अपवाद भी बताइये। 20

(ब) किसी बच्चे की वैधता का निश्चयात्मक साक्ष्य क्या है ? सम्बन्धित विधि का वर्णन कीजिए। 10

(स) दहेज मृत्यु के सन्दर्भ में साक्ष्य विधि की उपधारणा का वर्णन कीजिए। 10

(a) What do you understand by estoppel ? Discuss in detail the law relating to evidence of estoppel and mention it's exceptions.

(b) What is the conclusive proof of legitimacy of a child ? Discuss related law.

(c) Discuss the presumption of evidence law with reference to dowry death.

8. (अ) प्रति-परीक्षा क्या है ? किसी साक्षी से प्रति-परीक्षा के समय विधिक रूप से कौन से प्रश्न पूछे जा सकेंगे ? स्पष्ट कीजिए। 20

(ब) 'अ' अपराध कारित करने का अभियुक्त है । पुलिस के अन्वेषण में यह संज्ञान में आया कि 'अ' अपने घर पर नहीं है कहीं चला गया है। परीक्षण कीजिए। 10

(स) 'अ' का 'स' की हत्या के लिए विचारण चल रहा है । ऐसे साक्ष्य उपलब्ध हैं कि 'स' की हत्या 'अ' तथा 'ब' ने की है तथा 'ब' ने ऐसा बयान दिया है कि 'अ' तथा मैंने 'स' की हत्या की । इस साक्ष्य की सुसंगतता का परीक्षण कीजिए। 10

(a) What is cross-examination ? What questions are lawful during the cross examination of a witness ? Explain.

(b) 'A' is accused of a crime. During the investigation it comes to the notice of the police that 'A' has gone somewhere from his house. Examine.

(c) 'A' is on his trial for the murder of 'C'. There is evidence to show that 'C' was murdered by 'A' and 'B', and that 'B' said "A and I murdered C". Examine the relevancy of this evidence.

www.linkinglaws.com

9. **(अ) संक्षिप्त विचारण क्या है ? किन अपराधों का संक्षिप्त विचारण किया जाएगा ? कौन सी न्यायालय संक्षिप्त विचारण कर सकेगी ? संक्षिप्त विचारण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।** 20

(ब) **दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अधीन अपराधों का संज्ञान लेने में परिसीमा की विधि का उल्लेख कीजिए।** 10

(स) **सत्र न्यायालय द्वारा पारित मृत्यु दण्ड के आदेश के पुष्टिकरण सम्बन्धी विधि को स्पष्ट कीजिए।** 10

(a) What is summary trial ? Which offences would be tried summarily? Which court is competent to conduct summary trial ? Discuss the summary trial procedure.

(b) Mention the law relating to limitations for cognizance of certain offences as has been provided under Code of Criminal Procedure, 1973.

(c) Explain the law in relation to confirmation of order of death sentence as passed by the Court of Session.

10. **(अ) निर्णय को न्यायपालिका की भाषा में लिखा जाए । मृत्यु दण्ड दिए जाने की दशा में न्यायालय द्वारा निर्णय में विशेष कारणों का उल्लेख किया जाए । सुसंगत विधि की सहायता से स्पष्ट कीजिए।** 20

(ब) **अभिवाक्-सौदेबाजी क्या है ? सुसंगत सांविधिक उपबन्धों की सहायता से वर्णन कीजिए।** 10

(स) **दोषमुक्ति एवम् उन्मोचन में अन्तर स्थापित कीजिए । अपने उत्तर के समर्थन में सांविधिक उपबन्धों की सहायता भी लीजिए।** 10

(a) Judgement shall be written in the language of the court. In case death sentence is awarded special reasons should be given in the judgement. Explain with the help of relevant law.

(b) What is plea-bargaining ? Discuss with the help of relevant statutory provisions.

(c) Distinguish between acquittal and discharge. Support your answer with the help of statutory provisions.

2016

विधि - III

(राजस्व और दाण्डिक)

LAW – III (Revenue and Criminal)

निर्धारित समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 200**

Time allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 200**

खण्ड - अ / Group - A

1. **(अ) भूमि के राज्य में निहित हो जाने के उपरांत, बंधककर्ता के भूमि पर क्या अधिकार हैं ? यदि इसका कोई अपवाद हो तो बताइए।** 20

(ब) निम्नलिखित की परिभाषा दीजिए :

(1) भूमि **5**
(2) खदान **5**
(3) आस्थान **5**
(4) सायर **5**

(a) What rights a mortgagee has in the land, after it is being vested in the State ? State the exception, if any.

(b) Define the following:
(1) Land
(2) Mine
(3) Estates
(4) Sayer

2. (अ) पुनर्स्थापना अनुदान क्या है और कौन इसको पाने का हकदार है ? 15

(ब) संपत्ति के वर्गीकरण के सिद्धान्तों की और धारा 93 के अंतर्गत नेट आय की व्याख्या कीजिए। 15

(a) What is Rehabilitation Grant and who is entitled to it? Discuss.

(b) Describe principle of classification of property and appointment of Net Income under Sec. 93.

3. (अ) भूमि के निहित हो जाने के उपरांत खदानों को चालू रखने की प्रास्थिति का वर्णन कीजिए। 10

(ब) भूमि धारकों के भिन्न वर्गों को समझाइए । 10

(स) भू-धारक का हित कब अंतरणीय होता है ? 10

(a) Discuss status of operation of Mines after the vesting of the Land.

(b) Explain classes of Tenure holder.

(c) When is Bhumidar's interest transferrable ?

4. (अ) भूमिधर द्वारा अंतरण पर क्या निर्बन्धन हैं ? 10

(ब) अनुसूचित जाति के सदस्य द्वारा भूमि अंतरण पर निर्बन्धन । 10

(स) धारा 209 के तहत बहिर्गमन हेतु आदिवासी के अधिकार । 10

(a) What restrictions exist on Transfer by Bhumidar ?

(b) Restrictions on Transfer of Land by member of Schedule Caste.

www.linkinglaws.com
Link the Life with Law

(c) Rights of an Adivasis for ejectment under Section 209.

5. (अ) सेटलमेंट अधिकारी द्वारा अपनायी जाने वाली प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए। 15

(ब) उ.प्र.ज.अ. के तहत राज्य के अधिकारियों के कर्त्तव्य और अधिकार बताइए । 15

(a) Discuss procedure which is adopted by settlement officers.
(b) State powers and duties of officers under UPZA.

खण्ड - ब / Group - B

6. (अ) अपूर्ण अपराधों को समझाइए और व्याख्या कीजिए। 20

(ब) 'अ' 'ब' को 'स' की हत्या के लिए उकसाता है, हालाँकि 'ब' ऐसा करने में असफल रहता है । 'अ' के उत्तरदायित्व की व्याख्या कीजिए। 10

(स) 'अ' एक खरगोश पर गोली चलाता है, किन्तु गोली 'ब' को लग जाती है और उसकी मृत्यु हो जाती है। 'अ' के उत्तरदायित्व की व्याख्या कीजिए। 10

(a) Explain and illustrate inchoate crimes.

(b) "A" abets "B" to murder "C", however "B" fails in doing so. State the Liability of "A".

(c) "A" shoots at a Rabbit, but the bullet hits "B" and causes his death. State Liability of "A".

7. (अ) भा.दं.सं. की धारा 34 में दिए गए संयुक्त उत्तरदायित्व को समझाइए । 10

(ब) भा.दं.सं. की धारा 34 और 149 में क्या भिन्नताएँ हैं ? 10

(स) धारा 34 साक्ष्य का नियम मात्र है और किसी सारवान विधि की उत्पत्ति नहीं करती है । समझाइए। 10

(a) Explain Joint Liability as provided under Sec. 34 of IPC.

(b) What is the difference between Sec. 34 and Sec. 149 of IPC ?

(c) Sec. 34 is only a Rule of Evidence and does not create a substantive offence. Explain.

8. (अ) 'अ' गुस्से में अपनी पत्नी के ऊपर केरोसिन डालकर जलती माचिस की तीली लगा देता है । पत्नी को आग में झुलसने से चोटें होती हैं और अंत में उसकी मृत्यु हो जाती है । 'अ' का क्या उत्तरदायित्व है ? विधि के उपयुक्त प्रावधानों की व्याख्या कीजिए। 15

(ब) एक गाँव के समीप बस दुर्घटना में, इस दुर्घटना में मारे गए यात्रियों के कीमती सामान को गाँव वाले उठा कर ले जाते हैं, गाँव वालों का क्या उत्तरदायित्व है ? 15

a) "A" in fit of Rage pours kerosene oil on his wife and also lit a match stick. The wife sustains burn injuries and ultimately died. What is the liability of "A" ? Discuss appropriate provision of Law.

(b) In a bus accident near a village, the villagers take away the valuables of the victims who died in the accident. What is the liability of villagers ?

9. निम्नलिखित को समझाइए :

(अ) एसिड अटैक 10
(ब) मानव तस्करी 10
(स) झूठे साक्ष्य के लिए दण्ड 10

Explain the following:
(a) Acid Attack
(b) Trafficking in Humans
(c) Punishment for False Evidence

10. समझाइए :

(अ) लूट में चोरी या उद्दापन शामिल होता है । 10
(ब) तैयारी और प्रयास के मध्य बहुत सूक्ष्म भिन्नता है। 10
(स) सभी हत्याओं में आपराधिक मानववध शामिल होता है। 10

Explain :
(a) In a Robbery there is either Theft or Extortion.
(b) Very thin line differentiates between preparation and attempt.
(c) In all murders Culpable Homicide exists.

भाषा LANGUAGE

निर्धारित समय : तीन घण्टे **[पूर्णांक : 100**
Time allowed : Three Hours) **[Maximum Marks : 100**

Part - I

1. Translate the following English passage into the ordinary language spoken in courts using Devnagri Script :

Legal profession is a significant aspect of the administration of justice. Without a well organized profession of law, the courts would not be in a position to administer justice effectively. The facts of the case can not be put forth before the courts of law, evidence in favour or against the parties to a suit can not be properly adduced and legal arguments in support or against the parties can not come up properly before a court of law without the assistance of a lawyer.

In our country, in the pre-independence era and in the more than six decades following independence, the Bar participated actively in the activities of the nations mainstream. There were lawyers of outstanding ability, leadership and social commitment. They

contributed a lot by making memorable sacrifices in the national freedom movement. But in the present state of affairs, the legal profession has been rapid decline in the quality of Bar with gradual exit of the old legal luminaries. What is the state of the Bar today? The atmosphere is full of frustration, suspicion, disorganization, dissatisfaction, cut-throat competition, etc. Thus, the legal profession is passing through a painful phase.
India is in process of planned development through Five Year Plans. We are passing from medieval to the modern industrial society. We have adopted the socialist pattern of society. Our government aims at a welfare state. Our problems are acute and more complicated as compared to the past. Therefore, the role and responsibilities of the lawyers have also taken a changed shape.

Lawyers should behave themselves in a manner befitting their status as an officer of the court. An advocate shall fearlessly uphold the interests of the client both in letter and in spirit.

There are three characteristics of the legal profession : group organization, learning and a spirit of public service. For lawyers, the most important truth about the law is that it is a profession and not a business. Therefore, the legal profession must ignore commercial standards of success. The legal profession helps the court to administer justice in its manifold aspects. But as an organized profession, it must necessarily do much more. The legal profession in a democracy has to be a watchdog of freedom and the rights of the citizens. The profession must uphold the constitution and the liberties enshrined in it. It should promote and safeguard the dignity and independence of judiciary. At the same time, it should also operate as a check on the judiciary against any compromise which is not in consonance with the highest standards of judicial integrity and its independence.

The legal profession in our country should function as a watchdog against the assaults of the modern state whenever it seeks to curtail the basic human rights, which is a threat to freedom, democracy and the rule of law.

In the matter of providing free legal aid to the poor, the legal profession has a clear responsibility, a responsibility which unfortunately has not been discharged with even at the minimum expectation of the society. Although lawyers do individually provide legal advice and assistance in deserving cases, there is an absence of countrywide organized efforts for free legal aid to the poor. The legal aid programme offers a historic and challenging social responsibility to the legal profession in India.

To conclude, we may say with firmness and certainty that there is a purposive social responsibility of the legal profession in a free and democratic society in which a lawyer has a function of public leadership. We must, however, understand that the legal profession can not function in vacuum or in isolation. Lawyers should come forward in the forefront of national life to establish rule of law without any discrimination whatsoever.

: https://www.linkinglaws.com : Linking laws
: support@linkinglaws.com : t.me/linkinglaws
: Jodhpur 7737746465
Tansukh Paliwal (Linking Sir)
SUBSCRIBE

2. निम्नलिखित हिन्दी गद्यांश का सामान्य अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कीजिए। 30

Translate the following Hindi passage into ordinary English language :

न्यायिक सक्रियता का विभिन्न लोग विभिन्न अर्थ लगाते हैं । न्यायिक सक्रियता के बारे में विचार न केवल भिन्नता लिए हुएहैं अपितु लोगों के विचारों में व्यापक रूप से अन्तर्विरोध भी है । कुछ लोग इसे न्यायाधीशों की गतिशीलता, न्यायिक सृजनात्मकता का नाम देते हैं तो कुछ इसे न्यायपालिका द्वारा देश के कानूनों को लागू करने में दिखाई जाने वाली दृढ़ता के रूप में क्रान्ति का नाम देते हैं । कई अन्य लोग जोन्यायालयों द्वारा इस प्रकार शक्ति के प्रयोग को न्यायिक अतिवादिता के रूप में देखते हैं, तथा इसे न्यायालयों द्वारा न्यायिक शक्तियों का अवान्छित विस्तार मानते हैं, उनके द्वारा इसे न्यायपालिका द्वारा राज्य के अन्य अंगों की शक्तियों को हथियाना भी माना गया है।

न्यायालय जनहित के अनेक ऐसे मामलों में, जो कार्यपालिका एवं विधान-मण्डल के क्षेत्र में हैं, हस्तक्षेप कर रहा है और सरकार तथा प्राधिकारियों को संविधान एवं अन्य कानूनों के अन्तर्गत उनके कर्त्तव्यों के पालन करने के लिये विवश कर रहा है । उच्चतम न्यायालय की इसी कार्यवाही को "न्यायिक सक्रियता' कहा जाता है । यह इसलिए संभव हुआ है, क्योंकि लोकहित वाद के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिक मूल अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध तथा कानून द्वारा अधिरोपित कर्त्तव्यों के पालन कराने के लिए न्यायालय में याचिकाएँ प्रस्तुत कर रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय ने अब यह अनुभव किया है कि एक लोक कल्याणकारी राज्य में उच्चतम न्यायालय इस नये अस्त्र का प्रयोग केवल निर्धन एवं असहाय नागरिकों के मूल अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए ही नहीं करेगा वरन् पूरे समाज को अपराधविहीन एवं व्यवस्थित समाज में परिवर्तित करने में करेगा। आज सामान्य नागरिक के लिये लोकहितवाद के माध्यम से न्यायिक सक्रियता वरदान साबित हुई है। इस बिन्दु पर मतभेद है कि न्यायिक सक्रियता का स्वागत किया जाय या इसको रोका जाय । लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग यह सोचता है कि न्यायिक सक्रियता सही दिशा की ओर उठाया गया कदम है, जो कि राज्य की अन्य संस्थाओं की निष्क्रियता या अधिकारिता युक्त कृत्यों द्वारा जनित विपदाओं का निराकरण करता है । वस्तुतः सक्रियता के दृष्टिकोण से न्यायपालिका आमूल-चूल सुधार करने वाली शक्ति बन गई है जबकि विधायिका और कार्यपालिका विद्यमान जड़ता युक्त स्थिति को बनाये रखने के लिए जीतोड़ कोशिश कर रहे हैं।

हमारे जैसी जनतान्त्रिक व्यवस्था में केन्द्र में संसद को तथा राज्यों में विधान-मण्डलों को जन आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करना चाहिये, यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो परिणामस्वरूप लोगों में जनतांत्रिक संस्थाओं के प्रति गहन असन्तोष उत्पन्न होगा और यही कारण है कि न्यायालय राज्य के अन्य अंगों को निद्रा से जगाने के लिए आगे आए हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जबकि राजनैतिक दल मृत प्राय हैं या छिन्न-भिन्न हो रहे हैं, न्यायपालिका को बहुत सावधानीपूर्वक कार्य करना होगा। विधायिका और कार्यपालिका का कमजोर पड़ना न्यायपालिका को महत्वाकांक्षी कदम उठाने को प्रेरित करता है किन्तु यह उसे भली-भांति पता होना चाहिए कि वह राज्य के उन दो अंगों का स्थान नहीं ले सकती । आदर्श स्थिति वही होगी जब राज्य के कृत्यों का संचालन करने वाला प्रत्येक अंग संविधान के अधीन उन्हें सौंपे गये कृत्यों का ही निर्वहन करे।

हमारे संविधान में न्यायपालिका को यह अधिकार दिया गया है कि वह विधायिका एवं कार्यपालिका द्वारा उठाये गये उन कदमों को निष्क्रिय कर दे जिनके बारे में सावधानीपूर्वक जाँच करने एवं उनका निर्वचन करने के पश्चात् यह पाया जाय कि वे संविधान के उपबन्धों के विरुद्ध हैं । वे नागरिक सुविधाएँ जिन्हें उपलब्ध कराने का दायित्व प्राधिकारी या संस्थाओं का है, यदि उपलब्ध नहीं की जाती है, तो उनकी प्राप्ति का मार्ग न्यायालयों ने सुलभ करा दिया है ।

सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक सक्रियता से ही बिहार की जेलों में बंद कैदियों की स्थिति में सुधार आया, बम्बई की झुग्गी झोंपड़ी में रहने वालों की रक्षा की जा सकी, परीक्षणाधीन कैदियों को भी जेल में मूल अधिकार दिये गये, जिसके तहत उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता एवं शीघ्र परीक्षण प्राप्त करने का अधिकार मिला, नारी निकेतनों में महिलाओं के शोषण को रोका जा सका, बन्धुआ मजदूरों को मुक्ति दिलायी गई, 14 वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक स्तर पर शिक्षा पाने का अधिकार दिया गया।

इन उपरोक्त निर्णयों के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्देशों के माध्यम से न्यायिक सक्रियता को गतिशीलता प्रदान की है । यह न्यायालय की न्यायिक सक्रियता का ही परिणाम है कि उच्चतम न्यायालय ने संविधान के

भाग-4 में वर्णित राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों को अपने संवैधानिक विनिश्चयों द्वारा धीरे-धीरे मूल अधिकारों का दर्जा प्रदान करने का प्रयास किया है तथा इसके माध्यम से नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को संक्षण प्रदान किया है।

Part - III

3. निम्न गद्यांश का संक्षिप्तीकरण अंग्रेजी में कीजिए-
Write a precis in English of the following passage :

The Indian Independence Act, 1947 legally partitioned British India only. As far as the Indian States (including Jammu and Kashmir State) were concerned, accession was governed by the Cabinet Mission Plan of 1946. Under this plan, the Indian States were given the option of entering into federal relationship or political relationship with the successor governments. Accession could be completed on the execution of an Instrument of Accession. The right was conferred by the Government of India Act, 1935, which was the provisional Constitution of India at the time of independence. After partition, the then Jammu and Kashmir State chose not to enter either the dominion of India or of Pakistan, concluding instead, standstill agreements with both the countries. But Pakistan, in violation of this agreement, imposed an economic blockade on the State. Moreover, it launched an aggression in Poonch which became an all out invasion by October 22, 1947. Two days later, when telegrams to the Premiers of Pakistan and the United Kingdom proved futile and the Ruler of Kashmir appealed to India for help on October 24, 1947, he executed an Instrument of Accession in favour of India, which was accepted by the Government of India on October 27, 1947.

The Government of India was under no legal obligation to hold a plebiscite. Yet it was the Indian Government itself, which consistent with its policy of basing political arrangements on popular will, expressed a wish in a separate letter (it being not a part of the Instrument of Accession) by the Governor-General of India to the Ruler of Kashmir to refer the question of accession to the people of Kashmir. However, M.A. Jinnah rejected this offer and made a counter offer of joint administration of the State. In law, whenever a counter-offer is made, the earlier offer stands revoked, and as the CA counter-offer itself was not accepted, it too lapsed. All subsequent offers made by India also lapsed as their pre-conditions were never satisfied by Pakistan.

In any case, the Kashmir Ruler's decision to accede to India was unanimously backed by the biggest and most representative political party in Kashmir – The All Jammu and Kashmir National Conference which, in 1950, recommended for the convening of a Constituent Assembly for the state. The elections to the Constituent Assembly reaffirmed popular approval of the State's Accession, as did the adoption of the State's Constitution in November, 1956. This Constitution itself, stated that the State is and shall be an integral part of India.

Reference is sometimes made to Paragraph II of Jan. 5, 1949 UNCIP Resolution which referred to the holding of a plebiscite. However, this paragraph itself made the plebiscite conditional upon Paragraph II of the August 13, 1949 Resolution and as Pakistan consistently committed breach of the same, India could not be compelled to hold a plebiscite under the 1949 Resolution.

Pakistan is guilty of aggression in Kashmir. This fact was exposed by the U.N. Commission itself as far back as 1948. What is required today is the negotiations with Pakistan not to determine the status of Kashmir but to free Indian territory from its forcible occupation.

2016 वर्तमान परिदृश्य The Present Day

निर्धारित समय : तीन घण्टे। **[पूर्णांक : 150**
[allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 150**

1. (क) रूढ़ि के आवश्यक तत्त्वों की विवेचना कीजिये । कब एक रूढ़ि विधि बनती है ? 15

(ख) 'कब्जा स्वामित्व का साक्ष्य है।' विवेचना कीजिये। 15

(a) Describe the essentials of custom. When does a custom becomes a law ?

(b) "Possession is an evidence of ownership'. Discuss.

2. (क) तटस्थता की परिभाषा दीजिए । तटस्थ राज्यों के अधिकारों एवं कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिये। 15

(ख) मान्यता क्या है ? मान्यता के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये । 15

(a) Define neutrality. Discuss the rights and duties of neutral states.

(b) What is recognition ? Describe the different modes of recognition.

3 (क) मूल कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिये एवं उनकी महत्ता की विवेचना कीजिये । क्या मूल कर्त्तव्य न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय हैं ? वाद विधि का सन्दर्भ दीजिए। 15

(ख) भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा 30 नवम्बर, 2016 को श्याम नारायण चौक्सी बनाम भारत संघ के वाद में दिये गये निर्देशों को लिखिये। 15

(a) Discuss fundamental duties and describe their importance. Whether fundamental duties are enforceable by Court of Law ? Refer case law.

(b) Write the directions given by Supreme Court of India on 30 November, 2016 in Shyam Narayan Chouksey V. Union of India.

4. (क) आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडियों, लाभों और सेवाओं की लक्षित आपूर्ति) अधिनियम, 2016 के अन्तर्गत अपराधों एवं दण्डों के प्रावधानों का वर्णन कीजिए। 15

(ख) संविधान के 101वें संशोधन अधिनियम, 2016 पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये। 15

www.linkinglaws.com
Link the Life with Law

(a) Discuss the provisions regarding offences and penalties under the Aadhaar (Targetted Delivery of Financial and other subsidies, Benefits and Services) Act 2016.

(b) Write a critical note on 101st Constitution Amendment Act, 2016.

5. (क) भारत के संविधान के अनुच्छेद 323 क एवं 323 ख के अन्तर्गत स्थापित अधिकरणों एवं उनके कार्यों का वर्णन कीजिये। 15

(ख) उच्चतम न्यायालय द्वारा गुजरात ऊर्जा विकास निगम बनाम एस्सार पॉवर लिमिटेड (2016) 9 एस सी सी 103 में दिये गये निर्णय पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिये । 15

(a) Discuss the Tribunals as constituted under Article 323 A and 323 B of the constitution of India and their functioning.

(b) Write a detailed note on the decision given by Supreme court in Gujarat Urja Vikas Nigam V. Essar Power Ltd. (2016) 9 SCC 103.

Uttarakhand Judicial Service Civil Judge (JD) Examination - 2016
Practical Examination on Basic Knowledge of Computer Operation

Time : 1 Hr. **Max. Marks : 100**

Q. No. 1

(a) Write down the names of any two Internet browsers.
(b) Write down the structure of a typical e-mail address.
(c) Write down the step(s) for creating a new folder in Microsoft Windows operating system.
(d) Write down the step(s) to change screen resolution through Control Panel in Microsoft Windows operating system.
(e) Write down the names of any two search engines on the Web.

Q. No. 2

(a) In MS-Word, draw the following table:

Uttarakhand	**Uttarakhand is a beautiful and peaceful state in northern part of India.**
Public Service Commission	
Haridwar	

(b) In MS-Word, type the following text and strikethrough it:
This examination assesses the basic knowledge of Computer Operations.

(c) Type the following list in MS-Word:

- **Preliminary Examination**
- **Screening Test**
- **Qualifying Test**
- **Main Examination**

www.linkinglaws.com

(d) In MS-Word, insert the text "Examination" as footnote on a page.
(e) Using MS-Word, type the text "I am Indian". Copy this text in next line and bold and italicize it.

Q. No.3

(a) Create a table in MS-Access with following fields. Type of the corresponding field is given in bracket of each. Case_No (Number), Petitioner_Name(Text), Date_of_Filing(Date)

(b) Insert following data in the table created in part (a):

Case_No	Petitioner_Name	Date_of_Filing
101	AB	03/05/2006
102	MB	06/10/2008
103	DC	07/11/2009
104	TN	10/10/2010

(c) Use MS-Access feature(s) to arrange the entries in the table created in part (b) in ascending order with respect to the Petitioner Name field.

(d) Use MS-Access feature(s) to display the total number of entries in the table created in part (b).

(e) In the table created in part (b), add a new field Advocate_Name(Text) after the column Date_of_Filing and enter BT, XY, PR, and MT values in this field from first to last record, respectively.

Q. No.4

(a) In MS-Excel, create the following table: Farmer Name

Farmer Name	Land Size (In Acres)	Total Profit (In Rupees)
AB	10	80000
TM	5	55000
RS	22	220000
KL	2	25000
TR	6	54000
LM	17	144500

(b) Add a new column 'Profit_per_Acre (In Rupees)' after the column 'Total_Profit (In Rupees) and populate its values using following formula:
Profit_per_Acre (In Rupees) = Total_Profit (In Rupees) / Land_Size (In Acres)

(c) **Sort the entries in the table obtained from part (b) in descending order with reference to the values of column 'Profit_per_Acre (In Rupees)'.**

(d) **Create a bar chart using entries in columns 'Farmer_Name' and 'Land_Size (In Acres)' from the table created in part (a).**

(e) **Create following in MS-Excel:**

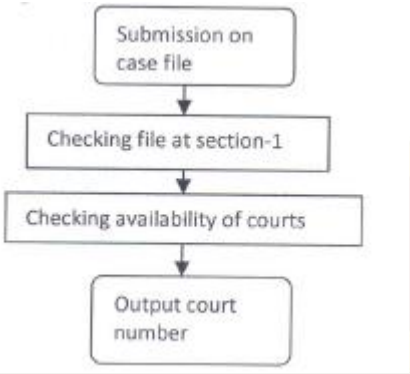

Q. No. 5 Using MS-Power Point, do the following:

(a) **Create a slide. Add the title Indian Judiciary' and add the sub-title 'An Overview' in this slide.**

(b) **Create a slide. On this slide, add the title 'Uttarakhand and add following text:**
• The Uttarakhand High Court is situated in
✓ Nainital

(c) **Create a slide. Add following in this slide: Uttarakhand**

(d) **Create a slide and add current date on the bottom of this slide using Date and Time feature of MS-Power Point.**

(e) **Create a slide and add the following table on this slide:**

Court City	Cases
ABC	12500
XYZ	10100

www.linkinglaws.com